डॉ. मीरा कुमारी
संस्कृत विभाग, सी. एम. जे. कॉलेज, खुटौना
ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय, दरभंगा, बिहार
ईमेल आइडी - kmeera573@gmail.com
Mobile number- 6287538352

वर्ग- बीए पार्ट 1 (H) दिनांक - 15-07-2020

विषय- वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य और संस्कृत साहित्य में अंतर

भाषा भेद के साथ ही वैदिक साहित्य संस्कृत साहित्य में विषय वस्तु और शैली की दृष्टि से भी पर्याप्त अंतर है वैदिक साहित्य संस्कृत साहित्य में मुख्य अंतर इस प्रकार है -

1. वैदिक साहित्य ऋषियों द्वारा द्वारा वैदिक भाषा में रचना क्या है जबकि लौकिक साहित्य अनेक कवियों द्वारा संस्कृत भाषा में रचा गया है
2. वैदिक साहित्य में स्तुतियां एवं प्रार्थनाओं का बाबुल है। यह स्तुतियां प्राकृतिक शक्तियों अग्नि, सूर्य उषा आदि की है, लेकिन संस्कृत साहित्य में प्रमुख रूप से राजवंशों और उनसे संबंधित कथाओं का बाहुल्य है। देवताओं में विष्णु, शिव आदि की प्रधानता है।
3. वैदिक साहित्य में प्रमुख रूप से वन एवं ग्राम जीवन का चित्रण है लेकिन संस्कृत साहित्य में विशेषत: नागरिक जीवन का चित्रण है।
4. वैदिक साहित्य में भावनाओं और कल्पनाओं का विशुद्ध चित्रण है । किंतु संस्कृत साहित्य में कलात्मकता की प्रधानता है।
5. वैदिक साहित्य में सभी छन्द वर्णों की गणना पर आधारित है। जैसे गायत्री त्रिष्टुप जगति आदि। और छंदों की संख्या भी अधिक नहीं है। लेकिन संस्कृत साहित्य में वर्ण-वृतों के साथ ही मात्रिक छंदों का प्रयोग अधिक मात्रा में हुआ है। जैसे - श्लोक (अनुष्टुप), उपजाति, वसंततिलका आदि।
6. वैदिक साहित्य रूपक-प्रधान है। अनेक अमूर्त भावनाओं का मूर्तिकरण हुआ है। जबकि संस्कृत साहित्य अतिशयोक्ति प्रधान है।
7. वैदिक साहित्य में धर्म और दर्शन की प्रधानता है लेकिन संस्कृत साहित्य में धर्म, अर्थ और काम की प्रधानता है।
8. वैदिक साहित्य संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद् आदि वर्गों में विभक्त है, लेकिन संस्कृत साहित्य काव्य, नोटक, चम्पू आदि वर्गों में वर्गीकृत है।
9. वैदिक साहित्य में ऋग्वेद का स्थान प्रमुख है, लेकिन संस्कृत साहित्य में रामायण और महाभारत का स्थान प्रमुख है।

10. वैदिक साहित्य में भाषा शैली अकृत्रिम है लेकिन संस्कृत साहित्य में भाषा शैली अकृत्रिम और कृत्रिम दोनों ही प्रकार की है।

इस प्रकार वैदिक साहित्य और संस्कृत साहित्य में भाषा भेद होने के साथ ही साथ अनेक प्रकार की भिन्नताएं भी दृष्टिगोचर होती है।